This question paper contains 4+1 printed pages]

**5384-C**

# M.A. (Final) EXAMINATION, 2017

## HINDI LITERATURE

## Paper IV(C)

## (लोक साहित्य)

**Time allowed : Three Hours**

**Maximum Marks : 100**

**Part A (खण्ड 'अ')** [Marks : 20]

*सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर* ***पचास*** *शब्दों से अधिक न हो।* ***सभी*** *प्रश्नों के अंक समान हैं।*

**Part B (खण्ड 'ब')** [Marks : 50]

*प्रत्येक इकाई से* ***एक*** *प्रश्न चुनते हुए, कुल* ***पाँच*** *प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर* ***250*** *शब्दों से अधिक न हो।* ***सभी*** *प्रश्नों के अंक समान हैं।*

**Part C (खण्ड 'स')** [Marks : 30]

*कोई* ***दो*** *प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर* ***300*** *शब्दों से अधिक न हो।* ***सभी*** *प्रश्नों के अंक समान हैं।*

P.T.O.

## खण्ड 'अ'

### इकाई I

1. (क) 'लोक' से क्या अभिप्राय है ?

(ख) लोक साहित्य और परिनिष्ठित साहित्य में कोई दो भेद बताइये ।

### इकाई II

(ग) लोक-कथा के उद्‌भव के सम्बन्ध में प्रचलित किन्हीं चार सिद्धान्तों के नाम लिखिए ।

(घ) तेजाजी का सम्बन्ध किस प्रान्त से है ?

### इकाई III

(ङ) राजस्थानी के दो लोक-नाट्यों के नाम लिखिए ।

(च) हाडौती क्षेत्र के प्रसिद्ध मेलों के नाम लिखिए ।

### इकाई IV

(छ) लोक-वार्ता और लोक-साहित्य में अन्तर स्पष्ट कीजिए ।

(ज) लोक कला मंडल के संस्थापक का नाम लिखिए।

## इकाई V

(झ) विजयदान जी देथा की कथाओं के संग्रह का नाम बताइए ।

(ञ) गोदन कला क्या है ? इसके प्रति किन जातियों में विशेष रुचि रहती है ?

## खण्ड 'ब'

## इकाई I

2. लोक-साहित्य और परिनिष्ठित साहित्य के सम्बन्ध व अन्तर पर प्रकाश डालिए ।

**अथवा**

3. लोक-गीत और लोक-गाथा के अन्तर को स्पष्ट करते हुए लोक-गाथा की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

## इकाई II

4. मारवाड़ी के लोक-गीतों में पारिवारिक संस्कारों का सुन्दर चित्रण मिलता है ।

इस उक्ति का औचित्य उपयुक्त उदाहरणों सहित स्पष्ट कीजिये ।

अथवा

5. मेवाड़ प्रदेश के लोक-गीतों का सोदाहरण परिचय दीजिए ।

## इकाई III

6. लोक-संगीत का आशय स्पष्ट करते हुए मारवाड़ की पेशेवर लोक-संगीत गायक जातियों की गायन कला का परिचय दीजिए ।

अथवा

7. राजस्थान के प्रमुख लोक-नृत्यों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

## इकाई IV

8. राजस्थान की संस्कृति को संरक्षित करने वाली किन्हीं **पाँच** प्रमुख सांस्कृतिक संस्थाओं का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।

अथवा

9. लोक-नाट्य के विकास की दिशा में देवीलाल सामर के योगदान की विवेचना कीजिए ।

## इकाई V

10. लोक-साहित्य की समृद्धि में श्रीमती लक्ष्मी कुमारी चुण्डावत के योगदान को स्पष्ट कीजिए ।

**अथवा**

11. लोक-संस्कृति और लोक-कला के संरक्षण में कालबेलिया जाति के योगदान पर प्रकाश डालिए ।

## खण्ड 'स'

12. लोक की परिभाषा देते हुए लोक-साहित्य का स्वरूप स्पष्ट कीजिए ।

13. राजस्थान के प्रमुख मेलों का परिचय दीजिए ।

14. मेवाड़ अंचल में प्रचलित किसी लोक-गाथा का सार लिखते हुए उसमें वर्णित जीवन-आदर्श को स्पष्ट कीजिए।

15. लोक-नाट्य की परिभाषा देते हुए राजस्थानी लोक-नाट्य के प्रचलित रूप के पारस्परिक अन्तर का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।